'Make In India' पर Mr. Ashish Mutneja के विचार – (Director of Quantum Hi-Tech)

(कम्प्यूटर न्यूज़ समाचार)

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाये गए 'Make In India' अभियान के बारे में IT जगत की कम्पनियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए कम्प्यूटर न्यूज़ ने प्रतिष्ठित कम्पनी Quantum Hi-Tech Merchandising Pvt. Ltd. के Director Mr. Ashish Mutneja से विशेष बातचीत की। इस बातचीत में Mr. Ashish Mutneja ने अपने विचार कुछ इस तरह साझा किये-

Quantum
QHMPL GROUP
Reliable IT Solutions

विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'Make In India' अभियान काफी फायदेमंद साबित हो रहा है। फिर भी कुछ प्रमुख insights की अभी भी कमी है जो इसे प्रभावशाली बना सकते है। निश्चित रूप से छोटे व मध्यम स्तर के उद्योगों की वृद्धि तभी संभव है जब आयात में invoicing कम से कम हो। इम्पोर्ट लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया को कठिन बनाकर और सभी उन आयात लाइसेंस को रद्द करके जिन्हें बनवाये 6 महीने से ज्यादा का समय हो गया है और जो गैर जरूरी है तथा इम्पोर्ट व एक्सपोर्ट को अलग-अलग करने जैसे अन्य तरीके अपना कर इस अभियान को पूरा किया जा सकता है।

Mr. Ashish Mutneja

चूंकि समस्या दोहरी है, भारत में कीमतें कम है तथा चीन में ज्यादा है ऐसे में समस्या के समाधान के लिए चाइनीज व भारतीय कस्टम क्लीयरेंस सर्वर को शामिल करने की जरूरत होगी अतः चीन और भारत दोनों को एक समान वैल्यू में क्लीयर गुड्स मिल सकेंगे। यदि इसे स्वचालित रूप से कार्यान्वित किया जाता है तो खरीदार सुनिश्चित करेंगे कि चीन की कम्पनियां वैल्यू अधिक ना चार्ज करें और ठीक इसी तरह चाइनीज कम्पनियां सुनिश्चित करेंगी कि भारतीय कम्पनियां वैल्यू कम ना करें। यह कस्टम अधिकारियों के वेतन में वृद्धि करके और कलेक्शन कार्यालयों में Corrupt Collection Agents के प्रवेश को प्रतिबंधित करके कस्टम कार्यालयों के आसपास की Bureaucratic बाधाओं की मात्रा को कम करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। IRS Levels पर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को लाने और भ्रष्ट अधिकारियों को पकड़ने वाले अधिकारियों को पुरस्कार देने, भ्रष्ट अधिकारियों के लिए कठोर दंड की स्थापना करने और कस्टम कार्यालयों में वीडियो सर्विलांस इन्स्टॉल करने इत्यादि को 'Make In India' मुहिम में शामिल करना चाहिए। अन्य उपाय जो शामिल किये जा सकते है उनमें आयात शुल्क को कम करना और विनिर्माण को बढ़ावा देने के क्रम में कच्चे माल और तैयार प्रोडक्ट्स के लिए ब्याज दरों को कम करना इत्यादि शामिल है। छोटे उद्योगों के लिए जिन्हें Machinery इम्पोर्ट की जरूरत है वे VDS का प्रयोग ब्लैक मनी को वापस मुख्य स्ट्रीम सर्कुलेशन में लाने के लिए कर सकते है। भारत में Hong Kog जैसे जोन्स को बनाने की जरूरत है जिसमें रोड्स और बेहतरीन Amenities का प्रबन्ध किया जा सके ताकि ट्रेडर्स, फैक्टरियों में निर्मित सामान को मार्केट तक पहुंचा सके।